6जी क्रांति में भारत करेगा दुनिया का नेतृत्व

सिंधिया ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 में भविष्य की रणनीति साझा की

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर. भारत अब सिर्फ टेक्नोलॉजी उपभोक्ता नहीं, बल्कि निर्माता और निर्यातक के रूप में उभर रहा है. इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भारत की डिजिटल क्रांति की झलक पेश की.

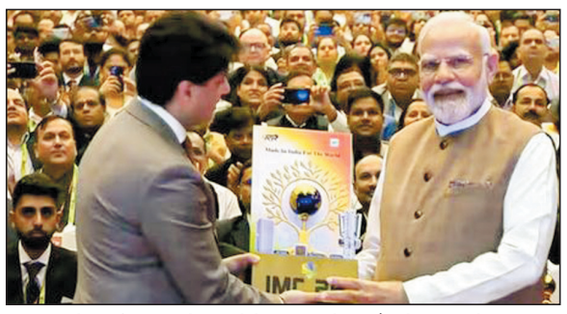

सिंधिया ने स्पष्ट किया कि अब भारत की महत्वाकांक्षाएं 5जी तक सीमित नहीं हैं. उन्होंने कहा,भारत टेक्नोलॉजी की दुनिया में एक बड़ा कदम और बढ़ा चुका है. इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उद्घाटन भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने भारत की होमग्रोन 4जी स्टैक की सफलता को एक टेक्नोलॉजिकल स्वतंत्रता का प्रतीक बताया. पीएम मोदी ने कहा कि भारत की स्वदेशी 4जी तकनीक अब केवल देश को तेज इंटरनेट और बेहतर कनेक्टिविटी नहीं दे रही, बल्कि वैश्विक बाज़ार में निर्यात के लिए भी तैयार है. उन्होंने गर्व से बताया कि देश में एक लाख से अधिक 4जी टावर लग चुके हैं. इसके साथ ही, 5जी और 6जी के क्षेत्र में भारत की अग्रणी भूमिका का भी ज़िक्र किया गया. अब हमारा ध्यान 6जी और सैटेलाइट कम्युनिकेशन पर है. हमारा लक्ष्य है कि वैश्विक 6जी पेटेंट का 10जी भारत के पास हो. उन्होंने बताया कि भारत अब तकनीक को केवल अपनाने वाला नहीं, बल्कि तकनीक का निर्माता और निर्यातक बन चुका है. सिंधिया ने मंच से उद्योग जगत से अपील की—यहां डिज़ाइन करें, यहां समाधान करें और हर जगह विस्तार करें. उन्होंने कहा कि यह डिजिटल परिवर्तन प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है, जिन्होंने टेलीकॉम को राष्ट्रीय विकास के केंद्र में रखा.

> इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने भी कहा कि भारत का लोकतांत्रिक ढांचा, नीति समर्थन और कारोबारी माहौल देश को निवेश और नवाचार के लिए सबसे उपयुक्त बनाता है. उन्होंने यह भी जोड़ा कि2025 इस बात का प्रमाण है कि भारत अब ग्लोबल टेक प्लेटफॉर्म्स को सिर्फ फॉलो नहीं कर रहा, बल्कि उन्हें लीड करने की तैयारी में है. इवेंट के जरिए यह संदेश भी गया कि भारत 6जी,और सैटेलाइट संचार जैसे क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है, जिससे देश का वैश्विक टेक्नोलॉजी परिदृश्य में दबदबा और मजबूत होगा.

एयर इंडिया और स्टारलक्स एयरलाइंस के बीच इंटरलाइन करार

नई दिल्ली, 08 अक्टूबर. टाटा समूह की स्वामित्व वाली एयर इंडिया ने ताइवान की प्रमुख एयरलाइन स्टारलक्स के साथ इंटरलाइन समझौता किया है. इस करार के जरिए अब यात्री एक ही टिकट पर दो अलग-अलग एयरलाइनों से यात्रा कर सकेंगे. इस समझौते से एयर इंडिया के ग्राहक अब हांगकांग, बैंकॉक, सिंगापुर, हो ची मिन्ह सिटी या क्वालालंपुर से होते हुए ताइपेई तक आसानी से पहुंच सकेंगे. वहीं, स्टारलक्स एयरलाइंस के ग्राहक भारत के विभिन्न शहरों तक एयर इंडिया के नेटवर्क का लाभ ले सकेंगे. इस इंटरलाइन करार के तहत बुकिंग शुरू हो चुकी है, जिससे दोनों एयरलाइनों के यात्रियों को ज्यादा विकल्प और सुविधा मिलेगी.

फिनटेक में भारत बना वैश्विक अग्रणी : पीयूष गोयल

पीएम मोदी की दूरदर्शी सोच से भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना

भारत 2047 के संकल्प को 140 करोड़ भारतीयों की शक्ति से जोड़ा

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर. केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और उनकी दूरदर्शी सोच के कारण भारत ने टेक्नोलॉजी, विशेषकर फिनटेक सेक्टर में अभूतपूर्व प्रगति की है. उन्होंने ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2025 के मौके पर मीडिया से बात करते हुए कहा कि आज भारत विश्व का एक विश्वसनीय भागीदार है और हमें इस पर गर्व है.

केंद्रीय मंत्री गोयल ने देश की डिजिटल प्रगति पर जोर देते हुए कहा कि आज फिनटेक लगभग हर घर और हर व्यक्ति तक पहुंच चुका है. भारत में 100 करोड़ इंटरनेट यूजर्स हैं. उन्होंने कहा, सामान्य से सामान्य व्यक्ति भी, चाहे वह ठेलेवाला ही क्यों न हो, यूपीआई का इस्तेमाल कर रहा है. यहाँ तक कि मंदिरों में भी क्यूआर कोड के जरिए डोनेशन दिया जा रहा है. उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि टेक्नोलॉजी के आधार पर देश का विकास निश्चित है और भारत एक ग्लोबल पावर बनने जा रहा है.

पीएम मोदी के नेतृत्व की तारीफ- पीयूष गोयल ने प्रधानमंत्री मोदी के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा कि उनके साथ 140 करोड़ भारतीयों की ताकत जुड़ी हुई है. उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने बेदाग देशहित और जनहित के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया है और उनका पल-पल देश को समर्पित है. उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और आने वाले दिनों में यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा.उन्होंने विकसित भारत 2047 के संकल्प का भी उल्लेख किया और कहा कि 140 करोड़ भारतीयों का इस राह पर पीएम मोदी की प्रेरणा से आगे बढ़ना बेहद अद्भुत है.

> **वैश्विक मंच पर भारत का बढ़ता कद**
>
> ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2025 में अपने संबोधन के दौरान गोयल ने बताया कि आज विश्व भारत की ओर विश्वास और भरोसे के साथ देख रहा है. उन्होंने कहा कि जब भारत के साथ काम किया जाता है, तो हाई-क्वालिटी टैलेंट, हाई-क्वालिटी स्किल, हाई-क्वालिटी गुड्स और सर्विसेज की गारंटी मिलती है, और समय पर डिलीवरी की प्रतिबद्धता होती है. गोयल ने कहा, हम वैश्विक व्यापार में प्रौद्योगिकी के एक मात्र भागीदार से आगे बढ़कर आज फिनटेक जगत के एक प्रमुख वास्तुकार बन गए हैं.

ऑटो और बैंकिंग सेक्टर दबाव

चार दिनों बाद शेयर बाजार में तेजी थमी

मुंबई, 08 अक्टूबर. ऑटो, बैंकिंग तथा अन्य सेक्टरों में बिकवाली के दबाव में घरेलू शेयर बाजारों में पिछले चार दिन की तेजी पर बुधवार को ब्रेक लग गया.

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 153.09 अंक (0.19 प्रतिशत) की गिरावट के साथ 81,773.66 अंक पर बंद हुआ. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 62.15 अंक यानी 0.25 प्रतिशत टूटकर 25,046.15 अंक पर आ गया.

दिन भर के कारोबार में सेंसेक्स में 600 अंकों का उतार-चढ़ाव रहा. यह ऊपर 82,257.74 अंक और नीचे 81,646.08 अंक तक गया. आईटी और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों को छोड़कर अन्य सभी सेक्टरों में बिकवाली ज्यादा रही. ऑटो, फार्मा, बैंकिंग, रियलिटी, तेल एवं गैस सेक्टरों पर ज्यादा दबाव रहा.

दिग्गज कंपनियों के मुकाबले दूसरी कंपनियों में अधिक गिरावट देखी गयी. निफ्टी निफ्टी-100 में 0.34 प्रतिशत की गिरावट रही. मिडकैप-50 सूचकांक 0.74 फीसदी और स्मॉलकैप 0.52 फीसदी टूट गया.

मौंजारो और वेगोवी : बिक्री बढ़ी लेकिन इकाइयाँ घटीं

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर. भारत की एंटी-ओबेसिटी दवाओं की तेजी को अब पहली दरार नजर आने लगी है. भले ही मौंजारो और वेगोवी जैसी दवाओं की कीमतों पर आधारित बिक्री रिकॉर्ड बना रही हो, लेकिन उनकी इकाईयां (वॉल्यूम) घटने की वजह से बाजार में स्थायित्व पर सवाल खड़े हो गए हैं. मौंजारो ने सितंबर 2025 में 80.15 करोड़ की बिक्री दर्ज की, जो अगस्त में 56.01 करोड़ थी — एक जबरदस्त उछाल. लेकिन इस आकर्षक आंकड़े की परतों के नीचे यह तथ्य छिपा है कि यह वृद्धि वॉल्यूम वृद्धि के बजाय प्रीमियम मूल्य निर्धारण पर आधारित रही है. इस बीच, वेगोवी की बिक्री अगस्त से सितंबर के बीच गिरावट दिखा रही है. क्या यह संकेत है कि भारत में एंटी-ओबेसिटी बाजार का बूम धीमा पड़ने लगा है?

क्वांटम कंप्यूटिंग से पासवर्ड को खतरा

फिनटेक कंपनियों के ब्लॉकचेन उपयोग के लिए रेगुलेटरी सेंडबॉक्स बनाया गया

पांडे ने कहा—क्वांटम कंप्यूटिंग मौजूदा क्रिप्टोग्राफी पासवर्ड को तोड़ सकती है

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर. सेबी चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने बुधवार को डिजिटल सुरक्षा के भविष्य पर गंभीर चिंता जताई. उन्होंने कहा कि क्वांटम कंप्यूटिंग के आने से मौजूदा समय में डिजिटल सिस्टम्स को सुरक्षित रखने के लिए उपयोग किए जाने वाले क्रिप्टोग्राफी एन्क्रिप्टेड पासवर्ड टूट सकते हैं.

ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2025 के दौरान मीडिया से बातचीत में सेबी चीफ ने आगाह किया कि आने वाले समय में क्वांटम कंप्यूटिंग मौजूदा सामान्य क्रिप्टोग्राफी को ब्रेक कर सकती है. उन्होंने कहा, मौजूदा समय में क्रिप्टोग्राफी मेथड का उपयोग करके जो पासवर्ड बनाते हैं, वह क्वांटम कंप्यूटिंग से ब्रेक हो सकते हैं. यह क्रिप्टो का आधार भी है.

उन्होंने इस खतरे की तुलना 1999 से 2000 के ङ्घ2य मूवमेंट से की, जिसमें डिजिट जोड़ने पड़े थे. पांडे ने जोर देकर कहा कि हमें इसके लिए तैयारी करनी होगी.

> **ब्लॉकचेन और मार्केट सुरक्षा पर फोकस**
>
> सेबी प्रमुख ने फिनटेक जगत में नवाचार पर भी बात की. उन्होंने कहा कि कुछ फिनटेक कंपनियां ब्लॉकचेन का उपयोग कर रही हैं, जिसके लिए हमने एक रेगुलेटरी सेंडबॉक्स बनाया है. इस सेंडबॉक्स में इन कंपनियों को यह प्रदर्शित करना होगा कि ब्लॉकचेन के फिनटेक में क्या-क्या उपयोग हैं. पांडे ने एक अन्य कार्यक्रम में डिजिटल धोखाधड़ी पर चिंता जताते हुए कहा कि डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर ने बाजारों को आसान बना दिया है, लेकिन इसने धोखेबाजों को निवेशकों को धोखा देने के लिए नए टूल्स से भी लैस कर दिया है. उन्होंने कहा कि प्रतिभूति बाजार देश के विकास इंजन हैं और यह सुनिश्चित करना हमारी साझा जिम्मेदारी है कि यह इंजन ईमानदारी और पारदर्शिता की मजबूत नींव पर चले.

जियो ने लॉन्च किया फ्री एआई क्लासरूम कोर्स

कंप्यूटर, डेस्कटॉप या लैपटॉप से कर सकते हैं कोर्स एक्सेस

जियोपीसी पर कोर्स करने वालों को सर्टिफिकेट, अन्यों को बैज

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर, देश के सबसे बड़े उद्योगपति मुकेश अंबानी ने जब 'ढ्ढ फॉर एवरीवन' की वकालत की थी, तब किसी को अंदाजा नहीं था कि केवल कुछ महीनों में जियो एआई क्लासरूम फाउंडेशन कोर्स लॉन्च कर देगा. चार हफ्तों का यह कोर्स एकदम फ्री है उन सभी के लिए है जो एआई में हाथ आजमाना चाहते हैं. इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 के उद्घाटन के दिन इस कोर्स के लॉन्च की घोषणा की गई.

कंपनी के मुताबिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में देश को सुपरपावर बनाने के मिशन को आगे बढ़ाने के लिए जियोपीसी और जियो इंस्टीट्यूट मिलकर ढ्ढ क्लासरूम शुरू कर रहे हैं. पर्सनल कंप्यूटर, डेस्कटॉप या लैपटॉप इस्तेमाल करने वाला कोई भी व्यक्ति इस कोर्स को कर सकता है. लेकिन सर्टिफिकेशन केवल जियोपीसी का इस्तेमाल कर कोर्स करने वालों को ही मिलेगा. अन्यों को कंप्लीशन बैज से नवाजा जाएगा. कोर्स को http://www.jio.com/ai-classroom के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है. एआई क्लासरूम कोर्स में शिक्षार्थियों को कई एआई टूल्स को सीखने समझने का मौका मिलेगा. कोर्स से विद्यार्थियों को एआई के फंडामेंटल को समझने, अपनी जानकारी और स्टडीज को ऑर्गेनाइज़ करने, डिजाइन्स, स्टोरीज और प्रेजेंटेशन बनाने के साथ समस्याओं के समाधान में एआई का इस्तेमाल करने का अवसर मिलेगा.

लॉन्च के मौके पर रिलायंस जियो के प्रवक्ता ने कहा- हम मानते हैं कि तकनीक की असली ताकत हर व्यक्ति को सशक्त बनाने की क्षमता में निहित है.

चावल नरम, गेहूं-चीनी मजबूत, खाद्य तेल-दालों में घट-बढ़

नयी दिल्ली, 08 अक्टूबर. घरेलू थोक जिंस बाजारों में बुधवार को चावल के औसत भाव घट गये जबकि गेहूं की कीमतों में तेजी रही. खाद्य तेलों और दालों के दाम में उतार-चढ़ाव देखा गया. चीनी में भी बढ़त देखी गयी. विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का दिसंबर वायदा 76 रिंगिट चढ़कर 4,546 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया. अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.78 प्रतिशत की बढ़त के साथ 51.46 डॉलर के भाव बोला गया.

विश्वास से खेल रही है साइबर धोखाधड़ी

भारत में 65 करोड़ स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं वाली विशाल आबादी : निर्मला सीतारमण

मुंबई, 8 अक्टबर. वित्त मंत्री निर्मला सीतारम ने कहा कि नयी पीढ़ी के आनलाइन धोखेबाज साइबर सुरक्षा के घेरों को नहीं बल्कि लोगों के विश्वास के साथ छल कर के धोखा धड़ी कर रहे है जिसके लिए एआई का इस्तेमाल किया जा रहा है.

उन्होंने इससे निपटने के लिए फिनटेक उद्योग से तत्परता से काम करने का आह्वान किया. सीतारमण ने यहां ग्लोबल फिनटेक फेस्ट-2025 को संबोधित करते हुए कहा, धोखाधड़ी की नई पीढ़ी में अब फ़ायरवॉल नहीं तोड़ी जाती, बल्कि यह विश्वास तोड़ने का काम बन गया है. अपराधी आवाज़ों की नकल करने, पहचान का क्लोन बनाने और लोगों को प्रभावित करने वाले वास्तविक वीडियो बनाने के लिए एआई का उपयोग कर रहे हैं. वित्त मंत्री ने कहा कि उन्होंने खुद अपने कई डीपफेक (वास्तविक से लगने वाले जालसाजी के काम) वीडियो ऑनलाइन प्रसारित होते देखे हैं, जिनमें नागरिकों को गुमराह करने और तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने के लिए हेरफेर किया गया है. सीतारमण ने कहा, यह इस बात की याद दिलाता है कि हमें अपनी सुरक्षा व्यवस्था को कितनी तत्परता से मजबूत करना होगा.

समाचार विशेष

पशुपति पारस का अचानक रुख बदला

चिराग को क्यों सीएम बनाना चाहते हैं चाचा?

पटना. बिहार की सियासत में एनडीए में चिराग पासवान अपनी जगह बना चुके हैं और चाचा पशुपति पारस से उनकी राजनीतिक लड़ाई खुलकर सामने आ चुकी है, लेकिन हाल के दिनों में पशुपति पारस के बयान ने लोगों का ध्यान खींचा है.

ऐसा बयान आया है कि पशुपति पारस भी चाहते हैं कि चिराग पासवान बिहार के मुख्यमंत्री बने. ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि चिराग की तरक्की से पशुपति पारस वास्तव में खुश हैं या फिर यह उनकी राजनीतिक मजबूरी है?

पशुपति कहते हैं-अगर जनता शिक्षा और विकास के पक्ष में वोट देती है और चिराग पासवान को मुख्यमंत्री बनाना चाहती है, तो वह इसका स्वागत करेंगे. यह बयान इसलिए भी अहम है क्योंकि पशुपति पारस और चिराग पासवान के बीच लंबे समय से राजनीतिक और पारिवारिक मतभेद रहे हैं. एक समय ऐसा भी था जब पारस ने चिराग को अपना खून मानने से इनकार कर दिया था और मामला थाने और कोर्ट तक पहुंच गया था.

> **बेटे को राजनीति में स्थापित करने की चाह**
>
> सूत्रों का कहना है कि पशुपति पारस की चिंता सिर्फ अपनी नहीं है. वे अपने बेटे और छोटे भाई रामचंद्र पासवान के बेटे को भी राजनीति में स्थापित करना चाहते हैं. यही कारण है कि वे चाहते हैं कि महागठबंधन में उन्हें सम्मानजनक जगह मिले, लेकिन जिसकी वे अपेक्षा कर रहे हैं, वह नहीं मिल पा रहा है.

बिहार की राजनीति का नया रुख

पटना. क्या बिहार की राजनीति अब जाति के बदले वर्ग आधारित होने के रास्ते पर चल पड़ी है? राजनीतिक दलों की घोषणाओं और केंद्र-राज्य सरकार की नीतियों को देखें तो इसका अनुभव होगा.

जाति के वर्ग में बदलने के प्रयास का यह प्रारंभिक दौर है. इसलिए जाति और वर्ग-दोनों साथ-साथ चल रहे हैं. जाति का आग्रह जैसे-जैसे कम होगा, वर्ग मजबूत होने लगेगा. अच्छी बात यह है कि इस बदलाव की पहल सरकार की ओर से हो रही है. विपक्षी दल भी इसका अनुसरण कर रहे हैं. इसे महिलाओं के मामले में देखें. पिछड़ी जाति की महिलाओं के लिए सरकारी सेवाओं में आरक्षण से शुरुआत हुई, जो अब सभी के लिए है.

राज्य की सभी सेवाओं में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत पद आरक्षित कर दिए गए हैं. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2006-07 में जब बालिकाओं के लिए पोशाक और किताब की योजना शुरू की तो इसमें सबको समाहित किया गया. जाति-धर्म के आधार पर किसी बालिका को इस योजना से बाहर नहीं किया गया. इसका विस्तार बालकों के बीच भी हुआ.

कांग्रेस ने मजबूत की रणनीति

पूर्व मुख्यमंत्रियों को बनाया पर्यवेक्षक

पटना. बिहार विधानसभा चुनाव, जो अक्टूबर-नवंबर 2025 में होने वाले हैं, राज्य की राजनीति में बड़ा मोड़ लाने वाले हैं. 243 सीटों पर होने वाले इस चुनाव में एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच कड़ा मुकाबला अपेक्षित है.

2020 के चुनावों में एनडीए ने बहुमत हासिल किया था, लेकिन नीतीश कुमार की बार-बार गठबंधन बदलने की राजनीति ने विपक्ष को मजबूत करने का मौका दिया. कांग्रेस, जो बिहार में सीमित प्रभाव वाली है, अब अपनी स्थिति सुधारने के लिए संगठनात्मक स्तर पर सक्रिय हो गई है. पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने हाल ही में वरिष्ठ नेताओं को जिम्मेदारियां सौंपी हैं, ताकि चुनावी तैयारियां तेज हों.

इस कड़ी में, खड़गे ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पश्चिम बंगाल कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी को बिहार चुनाव के लिए वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया है. यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू है, जैसा कि एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने घोषित किया. भूपेश बघेल, जो छत्तीसगढ़ में अपनी सरकार के दौरान किसान-कर्मचारी कल्याण योजनाओं के लिए जाने जाते हैं, बिहार में पार्टी की ग्रामीण पहुंच मजबूत करने में भूमिका निभाएंगे. अशोक गहलोत, राजस्थान की राजनीति के चाणक्य माने जाते हैं, संगठनात्मक कुशलता से चुनाव प्रबंधन करेंगे. वहीं, अधीर रंजन चौधरी, जो लोकसभा में कांग्रेस के पूर्व नेता थे और बंगाल में पार्टी को मजबूत करने का अनुभव रखते हैं, विपक्षी एकता को बढ़ावा देंगे.

> **41 जिला पर्यवेक्षकों की भी नियुक्ति**
>
> कांग्रेस ने इसके साथ ही 41 जिला पर्यवेक्षकों की भी नियुक्ति की है, जो स्थानीय स्तर पर बूथ प्रबंधन, कार्यकर्ता जुटाव और गठबंधन समन्वय सुनिश्चित करेंगे. यह कदम पार्टी की रणनीति का हिस्सा है, जहां बिहार में आरजेडी के साथ गठबंधन को मजबूत करते हुए सीटों पर बेहतर प्रदर्शन का लक्ष्य है. पिछले चुनावों में कांग्रेस को महज 19 सीटें मिली थीं, लेकिन अब इंडिया गठबंधन के तहत वह ज्यादा आक्रामक रुख अपना रही है. पर्यवेक्षकों का अनुभव बिहार की जटिल जातिगत राजनीति में पार्टी को फायदा पहुंचा सकता है. यह नियुक्ति कांग्रेस के लिए बिहार में पुनरुत्थान का संकेत है. खड़गे के नेतृत्व में पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर संगठन को मजबूत कर रही है, जैसा कि महाराष्ट्र और झारखंड चुनावों में भी देखा गया. बिहार चुनाव न केवल राज्य सरकार का भविष्य तय करेंगे, बल्कि 2029 के लोकसभा चुनावों की दिशा भी प्रभावित करेंगे.

विशेष | **अधिसंख्य सीटों पर मुसलमान मतदाताओं की बहुलता है**

नई उड़ान भरने को आतुर सीमांचल राजनीति

भागलपुर. प्रशासनिक तौर पर यह चार जिलों (पूर्णिया, कटिहार, अररिया, किशनगंज) वाला पूर्णिया प्रमंडल है और भौगोलिक रूप से सीमांचल. राजनीति को भी इसका भौगोलिक स्वरूप ही रास आता है. इस प्रमंडल में विधानसभा की 24 सीटें हैं और सभी की सभी तेज राजनीतिक तरंगें बिखेर रहीं. अधिसंख्य सीटों पर मुसलमान मतदाताओं की बहुलता है, इसलिए यहां गोलबंदी तगड़ी होती है.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह घुसपैठ रोकने की बात कर गए हैं, जो कि मुद्दा बन रहा. इसे वे बिहार की अस्मिता और सुरक्षा से जोड़कर सामने रख रहे हैं. राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा से वोट चोरी और मतदाता सूची की गड़बड़ी भी बड़ा प्रश्न है. इसके अलावा आरक्षण और रोजगार भी मुद्दा है. पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव का फैक्टर भी यहां थोड़ा-बहुत रहता है. पिछली बार सीमांचल की पांच सीटों पर जीत दर्ज करने वाले एआइएमआइएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी फिर से मैदान में उतर गए हैं. जन सुराज पार्टी भी जोर आजमाइश कर रही.

सीमांचल में बांग्ला बोलने वाले बदिया मुसलमानों की संख्या अच्छी-खासी है. बांग्लादेशी घुसपैठिए भी यहां पकड़े जाते रहे हैं. हाल में ही प्रधानमंत्री ने पूर्णिया एयरपोर्ट का उद्घाटन किया.

किशनगंज की चारों सीटें मुस्लिम राजनीति का केंद्र- 2020 में कांग्रेस ने किशनगंज पर जीत दर्ज की. बहादुरगंज और कोचाधामन में एआइएमआइएम के विधायक जीते जो बाद में राजद के हो गए ठाकुरगंज राजद के कब्जे में आया. किशनगंज सीट पर कांग्रेस और भाजपा में कड़ा मुकाबला होता है, जबकि बाकी तीन सीटों पर राजद और एआइएमआइएम के बीच खींचतान बनी रहती है. यहां मुस्लिम वोट निर्णायक भूमिका निभाता है.

पूर्णिया की सात सीटों पर जटिल समीकरण- भाजपा पिछली बार पूर्णिया और बनमनखी में जीती थी. जदयू धमदाहा में सफल रहा. कांग्रेस ने कसबा और एआइएमआइएम ने अमौर पर कब्जा जमाया. बायसी सीट से एआइएमआइएम के जीते विधायक बाद में राजद में सम्मिलित हुए. रूपौली उप नाव में निर्दलीय जीतकर शंकर सिंह ने सबको चौंकाया. पूर्णिया शहर सीट पर भाजपा का वर्चस्व लंबे समय से है. अमौर, बायसी और कसबा मुस्लिम बहुल क्षेत्र हैं.

कटिहार की सातों सीटें उलझाती हैं समीकरण- यहां की सातों सीटें समीकरणों को उलझाती रही हैं. भाजपा ने 2020 में कटिहार, कोढ़ा और प्राणपुर पर कब्जा किया. कांग्रेस ने मनिहारी और कदवा सीटें जीतीं. बरारी जदयू और बलरामपुर सीट भाकपा-माले के खाते में गई. कटिहार शहर पूर्व उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद का गढ़ है.

> **अररिया में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधी टक्कर**
>
> छह विधानसभा सीटों वाले अररिया जिला की राजनीति जातीय और धार्मिक समीकरणों पर आधारित है. 2020 में भाजपा ने फारबिसगंज, सिकटी और नरपतगंज जीता. कांग्रेस को अररिया और जदयू को रानीगंज में जीत मिली. एआइएमआइएम ने जोकीहाट का मैदान मारा, लेकिन उसके विधायक सरफराज आलम बाद में राजद में चले गए. अररिया सीट मुस्लिम बहुल है और कांग्रेस नेता आबिदुर्रहमान लगातार जीत रहे. फारबिसगंज और नरपतगंज पर भाजपा का दबदबा है.